विद्या भारती संकुल संवाद

जनवरी 2026
पौष – माघ
विक्रमी संवत 2082

"सा विद्या या विमुक्तये"

प्रचार एवं अभिलेखागार विभाग की संयुक्त अ.भा. बैठक

विशेष

संगठनात्मक एवं प्रशिक्षण:

- SMF-SESQ 2.0 के नए असेसमेंट TOOL का अध्ययन कार्यक्रम
- पूर्णकालिक एवं समन्वयक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग

सांस्कृतिक गौरव:

- गणतंत्र दिवस पर GNAV के नवाचारकों की राष्ट्रीय पहचान
- विद्या भारती के विभिन्न विद्यालयों में 77वाँ गणतंत्र दिवस का पर्व - कुछ झलकियां ...
- बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सरस्वती पूजन एवं विद्यारंभ संस्कार का आयोजन

उपलब्धि एवं सम्मान:

- शौर्य चक्र से सम्मानित कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर
- पूर्व छात्र मेजर जनरल अरविंद यादव को विशिष्ट सेवा पदक
- शताब्दी वर्ष की अनूठी ज्ञान-साधना

विशेष आयोजन:

- समर्पण दिवस" का आयोजन

विद्या भारती झारखंड

प्रचार एवं अभिलेखागार विभाग की संयुक्त अ.भा. बैठक

रांची। विद्या विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में विद्या भारती अखिल भारतीय प्रचार विभाग एवं अभिलेखागार की संयुक्त बैठक का आयोजन 3 से 4 जनवरी तक आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, कुदलुम, रांची में किया गया।

भारतीय चिंतन पर आधारित है विद्या भारती का कार्यः गोविंद जी

इस अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय गोविंद चंद्र महंत जी ने कहा कि विद्या भारती का कार्य भारतीय चिंतन पर आधारित है, जिसकी दृष्टि “वसुधैव कुटुंबकम्” के भाव से विश्व कल्याण की ओर उन्मुख है। उन्होंने कहा कि अभिलेखागार एवं प्रचार विभाग के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों के लिए यह कार्य धरोहर के रूप में सुरक्षित किया जाना चाहिए।

विद्या भारती के महामंत्री देशराज शर्मा जी ने प्रचार एवं अभिलेखागार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्या भारती का विचार और कार्य ही उसका अभिलेख है। संस्था की संस्कृति, चिंतन और कार्यों का व्यवस्थित अभिलेखीकरण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रचार और अभिलेख एक-दूसरे के पूरकः देशराज जी

प्रचार और अभिलेख एक-दूसरे के पूरक हैं। समाज के समक्ष यह स्पष्ट होना चाहिए कि विद्या भारती केवल शिक्षण संस्थानों का संचालन नहीं करता, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का एक सशक्त शैक्षिक आंदोलन है।

विद्या भारती प्रचार विभाग के प्रभारी सुधाकर रेड्डी जी के मार्गदर्शन में सभी प्रांतों ने आगामी वर्षों के लिए अपने संगठनात्मक लक्ष्य प्राप्त करने की कार्ययोजना पर विचार किया। संयोजक, प्रचार विभाग डॉ. रामकुमार भावसार जी, अखिल भारतीय अभिलेखागार प्रमुख ललित बिहारी गोस्वामी जी ने भी मार्गदर्शन किया।

अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माजी राव व उत्तर-पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री ख्यालीराम जी, राम अवतार नासरिया जी मंत्री, विद्या भारती, उत्तर–पूर्व क्षेत्र की विशेष उपस्थिति ने सभी को उत्साहित किया।

मूल्य, दृष्टि और विचार की भी संवाहक बनें पत्रिकाएं

अखिल भारतीय सह प्रभारी प्रचार विभाग डा. सौरभ मालवीय ने संपादक की भूमिका, पत्रकारिता के दायित्व, समाचार एवं विचार के संतुलन, संपादकीय लेखन, विषय चयन, वैचारिक स्पष्टता एवं प्रस्तुति पर मार्गदर्शन किया।

जारी ...

उन्होंने कहा कि पत्रिकाएं केवल सूचना नहीं, बल्कि मूल्य, दृष्टि और विचार का संवाहक बनें। संपादकीय लेख पत्रिका की वैचारिक पहचान होता है और इसे संपादक को स्वयं लिखना चाहिए। प्रचार विभाग की केंदीय टोली के सदस्य डॉ. नरेंद्र कुमार मिश्र ने पत्रिकाओं में चित्रों का महत्व, ले-आउट, टाइपोग्राफी, रंगों का संयोजन, चित्र परिचय और पृष्ठ सज्जा पर व्यावहारिक मार्गदर्शन किया और चित्रों को जीवंत अभिलेख बताते हुए गुणवत्ता, प्रासंगिकता और संतुलन पर विशेष बल दिया। अन्य सत्रों में दैनिक जागरण के विशेष संवाददाता डा. दिव्यांशु झा ने पत्रिका प्रकाशन, आलोक तिवारी जी ने डिजिटल संस्करण एवं सोशल मीडिया रणनीति और डा. नीरज शर्मा ने सोशल मीडिया को गेमचेंजर बताते हुए उपयोगी जानकारियां दीं।

पत्रिकाओं का विमोचन

कार्यशाला के दौरान कार्य पत्रिका, शिशु मंदिर संदेश, विद्या विकास समिति, झारखंड की पत्रिका उत्सर्ग और भारतीय शिक्षा समिति बिहार की वार्षिक पत्रिका अर्चना का विमोचन किया गया। कार्य़शाला में प्रस्तुत वृत्त के अनुसार 15 प्रांतों में 16 मासिक, द्विमासिक, त्रैमासिक पत्रिकाएं मुद्रित होती हैं और 16 वार्षिक पत्रिका निकलती हैं। इसी प्रकार 2 क्षेत्र भी वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करते हैं। 20 प्रांत/क्षेत्र 22 ई-पत्रिकाएं निकाले रहे हैं। केन्द्रीय कार्यालय एवं प्राती में 17 संवाद केन्द्र स्थापित हैं। कार्यशाला में कुल 72 अपेक्षित कार्यकर्ताओं में से 59 की उपस्थिति रही। इनमें पत्रिका संपादकों की संख्या 11 रही। 11 क्षेत्र में से 10 क्षेत्रों से कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तर क्षेत्र की क्षेत्रीय शैक्षिक परिषद की कार्यशाला

विद्या भारती पंजाब

जालंधर। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र की क्षेत्रीय शैक्षिक परिषद् की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विद्या धाम, जालंधर में किया गया। इसका उद्देश्य वर्तमान शैक्षिक एवं सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हुए वसुधैव कुटुम्बकम् के भाव से प्रेरित होकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, मूल्यनिष्ठ एवं समग्र शिक्षा के माध्यम से विश्वकल्याण के लिए कार्य करना था। इस अवसर पर श्रीराम अरावकर जी सह संगठन मंत्री, विद्या भारती ने “हमारा लक्ष्य” विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि विद्या भारती राष्ट्रीय शिक्षा नीति ’20 के मूल भाव—समग्र विकास, भारतीय ज्ञान परंपरा, नैतिक मूल्य, कौशल विकास एवं वैश्विक नागरिकता को शिक्षा के माध्यम से धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध

शिक्षा ही प्रशस्त कर सकती है राष्ट्र निर्माण का मार्गः श्रीराम अरावकर जी

है। उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनौतियों के बीच शिक्षा ही ऐसा माध्यम है जो वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण और विश्वकल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। कार्यशाला में श्री देशराज शर्मा अखिल भारतीय महामंत्री, श्री बाल किशन सह संगठन मंत्री, उत्तर क्षेत्र, श्री दिलाराम चौहान महामंत्री, उत्तर क्षेत्र, श्री राजेंद्र कुमार जी पंजाब प्रांत संगठन मंत्री, श्री संदीप धुडिया महामंत्री, पंजाब, श्री ज्ञान सिंह हिमाचल प्रांत संगठन मंत्री, श्री सुरेश कपिल महामंत्री हिमाचल प्रान्त आदि उपस्थित रहे।

SMF-SESQ 2.0 के नए असेसमेंट TOOL का अध्ययन

विद्या भारती मध्य भारत

भोपाल। विद्या भारती मानक परिषद ने चार जनवरी को सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान "प्रज्ञादीप" हर्षवर्धन नगर, भोपाल में SMF-SESQ 2.0 के नए असेसमेंट टूल का अध्ययन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में शांतिलाल मुथा फाउंडेशन के चेयरमैन व भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शांतिलाल मुथा, फोर्स मोटर के चेयरमैन उद्योगपति डॉ अभय फिरोदिया, मुथा फाउंडेशन के सी ई ओ श्री वेंकटरमण, श्री अभय गोहिल, रिटायर्ड हाईकोर्ट जस्टिस, विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के संगठन मंत्री निखिलेश माहेश्वरी जी आदि मौजूद रहे। वहीं, विद्या भारती मानक परिषद एवं शांतिलाल मुथा फाउंडेशन के माध्यम से शिक्षा में गुणवत्ता विकास हेतु मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन जी के साथ बैठक हुई। बैठक में प्रमुख सचिव श्री संजय गोयल, श्री शीतांशु, डॉ रविन्द्र कान्हेरे जी विद्या भारती के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

विद्या भारती काशी

विद्या भारती की प्रांतीय बैठक संपन्न

आधारभूत विषयों से ही छात्रों का सर्वांगीण विकास: श्रीराम आरावकर जी

ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस में विद्या भारती की प्रांतीय संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। अखिल भारतीय अधिकारी प्रवास के दौरान राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री मा. श्रीराम आरावकर जी ने काशी प्रांत के विषय एवं संकुल प्रमुखों के साथ कार्य-प्रगति की समीक्षा की और संगठनात्मक विस्तार की दिशा दी। उन्होंने कहा कि आधारभूत विषयों—शारीरिक-योग, संगीत, संस्कृत, नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा—से ही छात्रों का सर्वांगीण विकास संभव है। शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर जीवन निर्माण का माध्यम बनाने पर बल दिया। बैठक में क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री डॉ. राम मनोहर जी, प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी जी सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। आगामी कार्ययोजनाओं पर मंथन के साथ बैठक नवाचार और सक्रियता के संकल्प के साथ संपन्न हुई।

अ. भा. विज्ञान मेला–2026 की तैयारी तेज

विद्या भारती गोरखपुर

गोरखपुर| सरस्वती शिशु मंदिर (10+2), पक्कीबाग में आयोजित दो दिवसीय पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यशाला में वैज्ञानिक सोच, स्वदेशी तकनीक, एआई व रोबोटिक्स जैसे विषयों पर विशेष मंथन हुआ।

देशभर से आए शिक्षाविदों व विशेषज्ञों ने 27–29 नवंबर 2026 को होने वाले विज्ञान मेले की रूपरेखा व नवाचारी पाठ्यक्रम पर विचार साझा किए।

समापन सत्र में विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री माननीय गोविन्द चंद्र महंत जी ने विज्ञान मेले को छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टि व स्वदेशी गर्व विकसित करने का सशक्त माध्यम बताया। विद्या भारती अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र कान्हेरे जी ने इसे नई शिक्षा नीति के अनुरूप "करके सीखने" की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यशाला का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

विद्या भारती राजस्थान

शताब्दी वर्ष की अनूठी ज्ञान-साधना

जालोर के भाई-बहनों ने एक अनोखा कारनामा किया है - 100 दिनों में 100 उपनिषदों को हाथ से लिखा।

राजस्थान के जालोर से प्रेरक उदाहरण सामने आया है। आदर्श विद्या मंदिर के विद्यार्थी माधव जोशी (कक्षा 9) और उनकी बहन अर्चना जोशी (कक्षा 8) ने 100 दिनों में 100 उपनिषदों का हस्तलिखित लेखन कर दुर्लभ उपलब्धि हासिल की। माधव ने 65 और अर्चना ने 35 उपनिषद सुंदर, शुद्ध व सुव्यवस्थित लेखन में पूर्ण किए। ग्रीष्म, दीपावली व शीतकालीन अवकाश का सदुपयोग कर किया गया यह प्रयास भारतीय ज्ञान-परंपरा, अनुशासन और साधना का प्रेरक उदाहरण है।

भाई- बहन ने 100 दिन में नोटबुक में लिख दिए 100 उपनिषद्

संघ के शताब्दी वर्ष में नन्ही कलम ने रचा इतिहास

चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन

विद्या भारती झारखंड

चतरा | इंदुमती टिबड़ेवाल सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन में झारखंड प्रांत के 230 प्रधानाचार्य सहभागी होकर सत्र 2026–27 की शैक्षिक व संगठनात्मक कार्ययोजना तैयार करेंगे। उद्घाटन सत्र में संघ संस्थापकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया गया।

प्रथम दिवस प्रधानाचार्य की भूमिका, विद्या भारती योजना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, डिजिटल शिक्षा सहित महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन हुआ।

मुख्य वक्ता श्री देशराज शर्मा ने पंचकोषीय शिक्षा व संस्कारयुक्त शिक्षा पर बल दिया। इस अवसर पर हस्तलिखित पत्रिका "समिधा" का भी विमोचन किया गया।

दो दिवसीय विज्ञान सम्मेलन में नवाचार को नई उड़ान

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित साइंस कॉन्क्लेव–2026 में नवाचार की प्रभावशाली झलक देखने को मिली। केयू ऑडिटोरियम के क्रश हॉल में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी

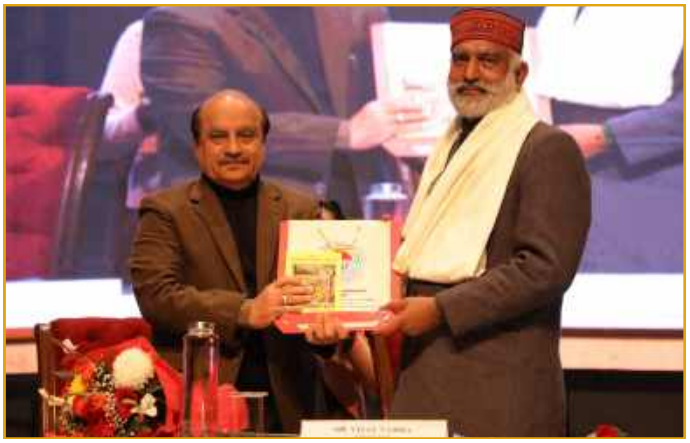

विद्या भारती हरियाणा

का अवलोकन विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री मा. विजय जी नड्डा एवं कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा सहित गणमान्य अतिथियों ने किया। सम्मेलन में आगमन पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने मुख्य अतिथि विजय जी नड्डा का स्वागत किया।

पूर्व छात्र रजत जयंती समारोह

विद्या भारती केरल

भैंसा। पूर्व छात्र परिषद, गुजरीगल्ली, पुलेनगर सुभद्रा निलयम एवं किसनगल्ली शिशु मंदिर (1968–2020) के संयुक्त तत्वावधान में 11 जनवरी 2026 को किसान गली सरस्वती शिशु मंदिर, भैंसा में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में रजत जयंती समारोह के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

अभिभावक सम्मेलन के साथ शिशु नगरी व बाल मेला

विद्या भारती राजस्थान

तखतगढ़। 'भामाशाहों का शहर' नाम से प्रसिद्ध तखतगढ़ स्थित रायगांधी आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में अभिभावक सम्मेलन के साथ शिशु नगरी एवं बाल मेले का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता आदर्श शिक्षा संस्थान बाली की जिला समिति के प्रचार प्रमुख श्री नारायण सिंह राजपुरोहित ने पंच परिवर्तन, बालक के सर्वांगीण विकास में माता की भूमिका, राष्ट्र निर्माण में आदर्श विद्या मंदिरों की भूमिका और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विचार रखे। पाली जिले में स्थित तखतगढ़ 1961-62 में देश की सबसे धनी ग्राम पंचायतों में से एक थी।कार्यक्रम में प्रबंध समिति के व्यवस्थापक श्री प्रभुराम घांची, कोषाध्यक्ष श्री जवानमल माली, सह-व्यवस्थापक श्री उम्मेद सिंह परमार, संरक्षक श्री गणेशराम कुमावत, श्री शिवलाल कुमावत, श्री रामलाल सुथार, प्रधानाचार्य श्री इंदर सिंह राठौर आदि उपस्थित रहे।

पूर्णकालिक एवं समन्वयक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग

विद्या भारती हरियाणा

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती उत्तर क्षेत्र का क्षेत्रीय पूर्णकालिक एवं समन्वयक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग-संस्कृति भवन, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं शैक्षिक दृष्टि से और अधिक सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में सुरेंद्र अत्री जी, संरक्षक उत्तर क्षेत्र, विजय कुमार नड्डा जी संगठन मंत्री उत्तर क्षेत्र, बाल कृष्ण जी सह संगठन मंत्री, उत्तर क्षेत्र, दिलाराम चौहान जी महामंत्री उत्तर क्षेत्र आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि विद्या भारती जिस लक्ष्य को लेकर देशभर में कार्य कर रही है, उसकी पूर्ति के लिए सजग, समर्पित एवं प्रशिक्षित कार्यकर्त्ताओं का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। अभ्यास वर्ग में कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, शैक्षिक दृष्टिकोण एवं सामाजिक दायित्वों से अवगत कराया गया।

“समर्पण दिवस” का आयोजन

विद्या भारती मेरठ

गाजियाबाद। दुर्गावती हेमराज ताह सरस्वती विद्या मंदिर, नेहरू नगर, गाजियाबाद में 17 जनवरी को “समर्पण दिवस” का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रान्त प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मेरठ प्रान्त श्रीमान् अनिल जी ने समर्पण का महत्व रेखांकित किया और स्वामी विवेकानंद, गुरु गोबिंद सिंह जी आदि का उल्लेख करते हुए त्याग व राष्ट्रभक्ति की भावना को आत्मसात करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा और विकास के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। समर्पण और देशभक्ति से ही व्यक्ति और राष्ट्र का समग्र विकास संभव है।

मेरठ प्रान्त के संगठन मंत्री प्रदीप गुप्ता जी ने विद्या भारती के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संस्था

समर्पण और देशभक्ति से ही राष्ट्र का समग्र विकास संभवः अनिल जी

अभावग्रस्त बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उन्हें राष्ट्र निर्माण के योग्य बनाती है। उन्होंने सभी से तन, मन और धन से सहयोग करने का आह्वान किया ताकि भारत को परम वैभव और विश्वगुरु के पथ पर अग्रसर किया जा सके।

कार्यक्रम में जितेन्द्र जी, विशोक कुमार जी प्रदेश निरीक्षक, भारतीय शिक्षा समिति, मेरठ प्रान्त, राम वरुण सिंह जी मंत्री, मेरठ प्रान्त, विपिन राठी जी प्रधानाचार्य आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। बहन श्रुति प्रधान ने एकल गीत प्रस्तुत किया और श्रीमती सुदीप्ता बनर्जी ने आभार ज्ञापन किया।

विद्या भारती सिक्किम

रजत जयंती समारोह पर चर्चा

गंगटोक। विद्या भारती सिक्किम के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यसभा सांसद श्री दोर्जी छिरिङ लेप्चा से शिष्टाचार भेंट की और संस्था की रजत जयंती समारोह की तैयारियों पर चर्चा की। भेंट के दौरान सांसद का खादा पहनाकर सम्मान किया और विद्या भारती सिक्किम का वार्षिक प्रतिवेदन (2024–25) व विद्या भारती का संक्षिप्त परिचय पुस्तक भेंट की। इस दौरान निर्णय लिया गया कि रजत जयंती को संघ के शताब्दी वर्ष व सिक्किम राज्य इस दौरान निर्णय लिया गया कि रजत जयंती को संघ के शताब्दी वर्ष व सिक्किम राज्य के 50वें स्थापना वर्ष (स्वर्ण जयंती) के साथ जोड़कर विशेष उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। सांसद महोदय ने विद्या भारती के राष्ट्रीय भावना एवं मूल्य-आधारित शिक्षा के प्रयासों की सराहना करते हुए रजत जयंती समारोह को सफल बनाने हेतु आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

जगन्नाथपुरी में पूर्व छात्र परिषद की अखिल भारतीय बैठक

विद्या भारती ओडिशा

जगन्नाथपुरी, ओडिशा। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की अखिल भारतीय बैठक का आयोजन जगन्नाथपुरी में किया गया। बैठक में अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविन्द चन्द्र महन्त जी, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री एवं पूर्व छात्र परिषद के प्रभारी विजय नड्डा जी तथा मंदिर के स्वामी श्री अच्युतानंदन जी महाराज का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओडिशा सरकार के मंत्री एवं पूर्व छात्र सूर्यवंशी सूरज जी तथा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं पूर्व छात्र अरविंद अग्रवाल जी ने की। बैठक में देश के 11 क्षेत्रों के 31 प्रांतों से 67 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कर्णावती में प्रांतीय पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित

विद्या भारती गुजरात

कर्णावती। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद, गुजरात द्वारा प्रांतीय पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन कर्णावती में किया गया। सम्मेलन में परम पूज्य स्वामी परमात्मानंद सरस्वती जी, परम पूज्य स्वामी परमेश्वरानंद जी, पश्चिम क्षेत्र के संघचालक श्री जयंतीलाल जी तथा अ. भा. सह संयोजक श्री राहुल सिंघल जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विद्या भारती गुजरात के अध्यक्ष नितिन पैथानी जी, संगठन मंत्री महेश पतंगे जी एवं महामंत्री विष्णु भाई पटेल जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मेलन में गुजरात के विभिन्न जिलों से 800 से अधिक पूर्व छात्रों ने सहभागिता की।

गाथा : विद्या भारती — शिक्षा से संस्कार, संस्कार से राष्ट्र

नई दिल्ली। सुदर्शन न्यूज़ चैनल पर प्रसारित विशेष प्रस्तुति 'गाथा : विद्या भारती' के माध्यम से शिक्षा के द्वारा राष्ट्र निर्माण की प्रेरक यात्रा को दर्शाया गया।

कार्यक्रम में बताया गया कि विद्या भारती केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रबोध आधारित शिक्षा का सशक्त माध्यम है।

विद्या भारती की शिक्षा प्रणाली छात्रों में आधुनिक ज्ञान के साथ अनुशासन, नैतिक मूल्यों, चरित्र निर्माण और देश भक्ति की भावना विकसित करती है। "शिक्षा से संस्कार और संस्कार से राष्ट्र"—इसी मूल मंत्र के साथ विद्या भारती जागरूक, सक्षम और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिकों के निर्माण का कार्य कर रही है।

करिकोड में 'मातृ पूजन' के रूप में मना मदर्स डे

विद्या भारती केरल

पेरुवा। करिकोड श्री सरस्वती विद्या मंदिर में 'मातृ देवो भव' की भावना को साकार करते हुए मदर्स डे को मातृ पूजन के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में कक्षा पाँचवीं से प्लस टू तक के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं की पूजा की, जबकि माताओं ने बच्चों को गले लगाकर आशीर्वाद दिया।

संबोध फाउंडेशन के आचार्य स्वामी अध्यात्मानंद सरस्वती के मार्गदर्शन में मातृ पूजा सम्पन्न हुई। इस अवसर पर 'प्रेमादरा शिक्षणम' विषय पर अध्ययन सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन, आचार्यगण, अभिभावक समिति के पदाधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विद्या भारती राजस्थान की बालिका शिक्षा परिषद बैठक

विद्या भारती राजस्थान

राजस्थान। विद्या भारती राजस्थान की बालिका शिक्षा परिषद की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सप्तशक्ति संगम, राजस्थान की पालक डॉ. रजनी मीणा ने भारत में महिलाओं के योगदान पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

बैठक में जयपुर, जोधपुर एवं चित्तौड़ प्रांत से 46 बहनों की सहभागिता रही।

समापन सत्र में अखिल भारतीय संगठन मंत्री मा. गोविंद जी महंत का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय बालिका शिक्षा संयोजिका एवं सप्तशक्ति संगम की मार्गदर्शक प्रमिला दीदी ने सप्तशक्ति की प्रस्तावना प्रस्तुत की। बैठक का संचालन दीप्ति आनंद जी, सप्तशक्ति संगम शोधकर्ता, द्वारा किया गया।

विद्या भारती के विभिन्न विद्यालयों में 77वाँ गणतंत्र दिवस का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कुछ झलकियां ...

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सरस्वती पूजन एवं विद्यारंभ संस्कार का आयोजन

बसंत पञ्चमी के पावन पर विद्या भारती विद्यारम्भ संस्कार में कार्यक्रम माँ सरस्वती के वैदिक मन्त्रो के उच्चारण के साथ प्रारम्भ हुआ,जिसमें भैया - बहिनों ने हवन में आहूति के पश्चात् पाटी पूजन करवाकर सृष्टि का प्रथम अक्षर "ॐ" लिखवाकर विद्यारम्भ संस्कार को पूर्ण किया, बच्चो ने इस अवसर पर प्रवेश लिया।

उपलब्धियां

पद्मश्री सम्मान | गांव से गगन तक सेवा-साधना का गौरव

सनातन संस्कृति, गांव-गौ-सेवा, शिक्षा और प्रकृति को जीवन समर्पित करने वाले संघ प्रचारक एवं विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ता आदरणीय श्री मोहनजी नागर को भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान देने का निर्णय—राजगढ़ (म.प्र.) सहित समूचे राष्ट्र के लिए गौरव क्षण। One Life – One Mission के साथ राष्ट्रहित में सतत साधना उनका जीवन ध्येय रहा है। आदरणीय मोहनजी नागर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।
जग सिरमौर बने भारत—यही ध्येय, यही पथ।

सफलता के शिखर पर विद्या भारती के पूर्व छात्र

चंडीगढ़ के प्रथम सर्वहितकारी विद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले पूर्व छात्र श्री सौरभ जोशी चंडीगढ़ के महापौर बने हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके परिश्रम और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है, बल्कि विद्या भारती परिवार के लिए भी अत्यंत गौरव का क्षण है।

नन्ही कलम से गढ़ा गया एक बड़ा सपना

77वें गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर कक्षा 6 की होनहार छात्रा काव्या सिंह (भारतीय विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, उधमपुर–नैनसू) ने अपनी सशक्त लेखनी से पूरे देश को गौरवान्वित किया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता में काव्या ने यूटी स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें ₹10,000 की नकद राशि से माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा जी द्वारा सम्मानित किया गया।

सरस्वती विद्या मंदिर रौड़ा, बिलासपुर के पूर्व छात्र राहुल राणा (पुत्र श्री लालचंद, गांधी मार्केट, बिलासपुर) ने एसडीओ (सिविल) की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर विद्यालय, परिवार और विद्या भारती का नाम गौरवान्वित किया।

सरस्वती विद्या मंदिर, कुंगाश, आनी, जिला कुल्लू के पूर्व छात्र राजनीश ठाकुर को प्रशासनिक सेवा में चयन होने पर हार्दिक बधाई।

गणतंत्र दिवस पर GNAV के नवाचारकों की राष्ट्रीय पहचान

गीता निकेतन आवासीय विद्यालय (GNAV) के कक्षा 11 के छात्र हर्षित व तनय गुप्ता ने 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्रीय अतिथि के रूप में सहभागिता कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। अटल इनोवेशन मिशन (NITI Aayog) द्वारा चयनित उनका प्रोजेक्ट "Ink Maker: Pollution to Ink Converter" वायु प्रदूषण को उपयोगी स्याही में बदलने पर आधारित है। 23–27 जनवरी के दौरान छात्रों ने राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री संग्रहालय व राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का भ्रमण किया तथा डॉ. जितेंद्र सिंह से संवाद किया। 26 जनवरी को उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखी।

उपलब्धियां जारी ...

पूर्व छात्र मेजर जनरल अरविंद यादव को विशिष्ट सेवा पदक

कुरुक्षेत्र। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व छात्र मेजर जनरल अरविंद यादव को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई। यह पदक भारतीय सशस्त्र सेनाओं का एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जो उत्कृष्ट एवं विशिष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। मेजर जनरल अरविंद यादव ने वर्ष 1988 में भारतीय सेना में सेकेंड लेफ्टिनेंट के रूप में सेवा आरंभ की थी और वर्तमान में वे नई दिल्ली में भारतीय तोपखाना के अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

शौर्य चक्र से सम्मानित कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर

सरस्वती विद्या मंदिर बालकरूपी (जोगिन्द्रनगर) के पूर्व छात्र कैप्टन योगेन्द्र सिंह ठाकुर को उनकी अदम्य वीरता और पराक्रमी नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठित शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि हिमाचल प्रदेश, जोगिन्द्रनगर और पूरे विद्या भारती परिवार के लिए गौरव का क्षण है।

मेधावी छात्र रहते हुए शैक्षिक, सांस्कृतिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सदैव अग्रणी रहे कैप्टन ठाकुर आज संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के प्रेरक प्रतीक हैं। विद्या भारती परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

पूर्व छात्र बने ITBP महानिदेशक

श्रीमद्भगवद् गीता स्कूल, कुरुक्षेत्र के पूर्व छात्र श्री शत्रुजीत सिंह कपूर, IPS को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। वे इससे पूर्व हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (DGP) के रूप में भी उत्कृष्ट सेवाएँ दे चुके हैं।

यह उपलब्धि विद्यालय, विद्या भारती परिवार और समूचे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन -जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net I www.vidyabharatisamvad.com
Email : vbabss@yahoo.com I vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126